आकाशवाणी

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 13.04.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पौड़ी में सहकारिता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा– महिला सशक्तिकरण से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है।
- प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों का नाम शहीदों और महापुरुषों के नाम पर रखने की घोषणा की।
- नैनीताल जिला प्रशासन ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मदरसों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की।
- **और...** बैसाखी पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी, ब्रह्म कुण्ड समेत गंगा के विभिन्न घाटों पर आस्था की डुबकी लगायी।

.....

पौड़ी भ्रमण

सहकारिता मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। डॉ रावत ने आज चोलोसैंण पाबौं में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के दृष्टिगत आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर चर्चा की। साथ ही सहकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की और शून्य ब्याज दर पर ऋण वितरण किया।

इस बीच, डॉ रावत ने थलीसैंण में स्थानीय लोगों और दुकानदारों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान के अधिकारियों को निर्देश दिए।

स्कूलों के नामों में परिवर्तन

प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों का नाम शहीदों और महापुरुषों के नाम पर रखने की घोषणा की है। सरकार की दायित्वधारी मधु भट्ट ने कहा कि बच्चों को स्कूल से ही प्रेरणा मिलती है। ऐसे में अगर स्कूलों का नाम शहीदों और महापुरुषों के नाम पर रखा जाता है तो यह सरकार की अच्छी पहल है।

अवैध मदरसे

प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मदरसों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

जिले के अपर जिलाधिकारी विवेक कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम ने अवैध रूप से संचालित मदरसों को सील किया। श्री राय ने बताया कि अब तक क्षेत्र में तीन मदरसे सील किए जा चुके हैं।

सिलक्यारा–पौलगांव सुरंग

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिल्क्यारा–पौलगांव सुरंग के ब्रेकथ्रू की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने आज सुरंग का निरीक्षण करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि 16 अप्रैल को सुरंग के ब्रेकथ्रू के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए भव्य कार्यक्रम की योजना बनाई गई है।

सिलक्यारा में दो लेन की करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी टनल बन रही है। गौरतलब है कि साल 2023 में सिलक्यारा टनल हादसे में 41 श्रमिक 17 दिनों तक फँसे थे। तब लोगों की धार्मिक मान्यता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि सुरंग के मुहाने पर बाबा बौखनाग देवता का मंदिर बनेगा जो अब बनकर तैयार हो गया है। 16 अप्रैल को मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा की भी योजना है।

सीएम हरिद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड एक गौरवशाली प्रदेश है और प्रदेश की खुशहाली के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। हरिद्वार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि समाज और लोगों को बाँटने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाना ज़रूरी है।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार–स्थित महाराजा अग्रसेन अग्रवाल आश्रम ट्रस्ट के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर नवनिर्मित हॉल का उद्घाटन भी किया।

बैसाखी पर्व

आज बैसाखी पर्व पर देश के कई प्रांतों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी, ब्रह्म कुण्ड समेत गंगा के विभिन्न घाटों पर आस्था की डुबकी लगायी। गंगा स्नान के बाद लोगों ने देव–दर्शन और दान आदि कर्म किए।

हरिद्वार में सुबह से शुरू हुआ स्नान पर्व दिन भर अनवरत चलता रहा। बैसाखी पर्व पर तीर्थनगरी के मठ–मंदिरों, आश्रम–अखाड़ों में भी धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। आश्रम, अखाड़ों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। इसके साथ ही गंगा घाटों पर जल पुलिस, पीएसी व खुफिया पुलिस की भी तैनाती की गई थी।

बैसाखी पर्व का विशेष महत्व है। बैसाखी पर्व जहां सनातन धर्मावलम्बियों में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है, वहीं सिखों के लिए भी इस दिन का खास महत्व है। बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना हुई थी। इसी कारण सिख समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचे।

चारधाम यात्रा

चारधाम यात्रा के लिए श्रीनगर के बेस अस्पताल को तैयार कर लिया गया है। यात्रा के दौरान बेस अस्पताल के चिकित्सक केदारनाथ और बद्रीनाथ यात्रा मार्गों पर भी सेवाएं देंगे। बेस अस्पताल में तैनात सभी कार्मिकों के लिए एसओपी बनाई जा रही है। प्रदेश के चिकित्सा–शिक्षा निदेशक और श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि इमरजेंसी वॉर्ड में ओ.टी. से लेकर तमाम सुविधाएं बेहतर बनाने पर युद्ध–स्तर पर कार्य चल रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों की नियुक्ति के साथ ही चिकित्सा संसाधनों को बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान डॉक्टरों की 15–15 दिन की ड्यूटी केदारनाथ–बद्रीनाथ यात्रा रूट पर रोटेशन पर लगायी जायेगी। डॉ. सयाना ने बताया कि बेस अस्पताल में आयुष्मान काउंटर 24 घंटे खोलने, एमआरआई की सुविधा सुबह आठ से रात आठ बजे तक करने, और अल्ट्रासाउंड की सुविधा 24 घंटे करने की व्यवस्था की जा रही है। श्रीनगर बेस अस्पताल की समीक्षा करते हुए चिकित्सा–शिक्षा निदेशक ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग चारधाम यात्रा को लेकर मुस्तैद है। यात्रा मार्ग पर सेवाओं के लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षित कर लिया गया है।

बदरीनाथ धाम

बदरीनाथ धाम में अभिषेक के लिए प्रयुक्त होने वाले तिल के तेल का कलश 'गाडू घड़ा' 22 अप्रैल को टिहरी के नरेंद्र नगर राजमहल से अपनी यात्रा शुरू करेगा। यह यात्रा विभिन्न धार्मिक पड़ावों से होते हुए 3 मई की शाम को बदरीनाथ धाम पहुंचेगी। इसके अगले दिन, 04 मई को सुबह 6 बजे श्रद्धालुओं के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट विधिवत रूप से खोल दिए जाएंगे। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि 23 अप्रैल को ऋषिकेश में तेलकलश की पूजा–अर्चना होगी।

रेखा आर्या

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व दिवस पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने देहरादून के पवेलियन ग्राउंड से स्कूली छात्रों के साथ 'भीम पदयात्रा' निकाली। पदयात्रा में बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र–छात्राएं शामिल हुए। इस अवसर पर श्रीमती आर्य ने कहा कि भीमराव अंबेडकर मानवता के सबसे बड़े प्रवर्तक और समाज सुधारक थे। उन्होंने हर जाति, धर्म और समाज के हर इंसान के जीवन की गरिमा स्थापित करने के लिए संघर्ष किया। इस दौरान खेल मंत्री ने छात्रों से अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मतदाता जागरूकता

रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने मतदान करने की शपथ ली। स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अगस्त्य महोत्सव और बैसाखी मेले के अवसर पर भव्य

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

जलियांवाला बाग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने कहा कि जलियांवाला बाग में भारत माता के लिए मर मिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा – आने वाली पीढ़ियां शहीदों के अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने इस घटना को भारत के इतिहास का एक काला अध्याय बताया।